

१ जस्य ह्येव नाना विदुषां सांगता विदुषा विप्रैश्चैव नाना विदुषा
नवाययं नाना विदुषां सांगता विदुषा विप्रैश्चैव नाना विदुषा

2573

१ हनुमन्तो व पूजा ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ ॥

१ ज्ञानमन्त्रं ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ ॥

2573

ॐ नमो नमो नमो नमो नमो ॥ ॥

मन्त्र ॥ ॐ ह्रीं स्या मन्त्र य म हा हे न वा य न ध म
 श कि म ही गो य क न व म न क य र ह र ह ॥
 य ॥ लि वि ज य म ग न क ॥ ग ल ना र द न स वा
 हा डा री म य च वा य ॥ म धु ल स वा य ॥ पु न न्म
 दि न स वा य र्क वि य ॥ ध न लि द क वा ॥ ध
 न ति ना ट ध न र्क ह्य न का का य ॥ म धु ल यी ॥ य ह

स्वा न र ॥ म ॥ ॐ

ॐ

म न्त्र वि न स ध न ॥ न वा य क ॥ न्वा स ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता
 य ह र ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता
 म य ॥ ॐ ह्रीं अ ना मि का ॥ ॐ ह्रीं अ मि त्वा का ॥
 ॐ ह्रीं अ क्ता य ह र ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता य र ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता
 स वा हा ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता य वा य र ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता य र

कुं ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुं ऊँ जगन्नाथ रुद्र ॥
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ना विदुः कश्चिद् ॥ कुं ऊँ कारुण्य नृप
 नाथ हूँ ॥ ॥ गौतमी ॥ कुं ऊँ जगन्नाथ रुद्र ॥ ॥
 ब्रह्मा उवाच ॥ कुं ऊँ कवचाय हूँ ॥ ॥ गायत्री नमो
 कर्म ॥ कुं ऊँ कारुण्य नृप वना विप्र इति गाथाया

मिमहानन्नाकारुयथादयान॥ लिधायीकव॥
 अद्ययाउतहाय॥ ॥ आने॥ यस्मादद्वयव
 तिर्जम् गूडान्वयाहावधन्यथाननी। कानाधिदेव४
 कश्चित्४ कवाहृरुयानकासीरुयलघद्वजत्मा॥
 ॐतिथान॥ ॥ यूजन॥ चस्मास्माहियानकव
 धूधू

यन्मन्त्रनाथकुंडो रयान कनकि गही नाथ न
वतन रखा हा ॥ ॥ ॐ नमस्तु तय न अथ न य नि
वा नाथ उत दय याथ सक न वृ पि (व ००) ॥ ॥ ॐ
नमो वृडा य र ग व न को रं न नाथ नमो अति य न
माय सिद्धि वृडा झय यति सिद्धि द हि सा हा ॥

ॐ हूं रयान क नृ य नृ त्य नृ व ॐ डो रयान क न
की ग ही नाथ जू वत न र खा हा ॥ ॥ यां या यू यू
जम नृ या य रयान क वी व नृ या य खा हा ॥ ॥ यू
ॐ हूं को रं वृ य नृ त्य नृ वा य हूं ॐ ॥ जू क न ॥ दार
ल आ हा डा ॥ मू न म नृ द नि नृ ज य नृ य जू खा हा
नोटि का स ॥ द न य स ॥ ॥ सु उ लि कू थ न ॥

न॥ यथा कृतं न सिन स मा नारु य त ॥ धन वा न सा
 धन ॥ वी व दू या हा व क नू स या य रु न क ॥ क नू द
 वा ॥ ता व क य क ॥ वि. वे रु लि धा न क ॥ ॥
 क नू द दि त क म रु ॥ वी द ऊ य री ता न क ॥ ऊं ऊं सा
 सा म्भ नू य म हा रे ल वा य नू ध म्भ न कि न ही ता य

क नू दं न क य र खा हा ॥ धा ॥ स म य ॥ दू क ध ॥
 खान ॥ व लि वि सु र्ज न ॥ र्मि क नू लं य न ध व व
 वि धि ॥

॥ मी व न ७ ७ र धो व क नू म्भ न कि न ही ता य ॥

अथ यात कयाधि वि॥ वाहन दयकं॥ दव यजाया
य॥ विमि धं॥ धय॥ दीय॥ नव व॥ जाय॥ गाय॥
दाहलखान काल २१ अकत वउ २१ खगकैः
मय गि धग माल दव याह अ नृत य दव धियं
कयाल स व रत य नृति २ अकत दाहल यन

यम नृ॥ यो न विथा निम नृ॥ नेकं धा मुं कौं डी
ऊयाये २॥ डी विजयाये २॥ डी अजि ता २॥
डी अय ना डि २॥ डी न दाय २॥ डी रु डाय २॥
डी ऊयाये २॥ डी रो माये २॥ डी दिव्य जा नि २॥
डी म हा या नि २॥ डी सिद्धि या नि २॥ डी ग ल य

वीर ॥ जो ता कि धीर ॥ जो काल ना गीर ॥ जो उद्वक
मि ॥ जो निष्ठा व निर ॥ जो गरी नाये ॥ जो घा
नाये ॥ जो रु नाये ॥ जो यव नाये ॥ जो ही
बधाय ॥ जो मेहन नाये ॥ जो कोला मूषर
जो विष्ठा विनी ॥ जो हस्ति नीर ॥ जो जखनी ॥

जो धूर्ज मि ॥ जो विषरुद्र मि ॥ जो सुव सिद्धि
जो उस्ति ॥ जो ०० नाये ॥ जो दू का नि ॥ जो
राधनी ॥ जो दी घाय ॥ जो ध मा की ॥ जो
कल ह प्रिय ॥ जो मगदी ॥ जो का कद हि
जो वाद जी ॥ जो विपू न वाग की ॥ जो घा नना

कशाङ्गवकाभिरे॥^{वरे}आविष्वद्वयिरे॥^{है}आरुय
कविरे॥आनोडवारुमिरे॥आस्यकांमिरे॥
आननराजनिरे॥आवीवरुडायेरे॥आमहा
कालेरे॥आककातिरे॥आविद्वताननाये॥आ
कचिनायेरे॥आहामरुडायेरे॥आवायवग

कंहयानवायेरे॥आवायवग॥आवेयुवीरे॥
आवर्चिकायेरे॥आनीवनीरे॥आवानास्त्रि
आनानसिंहिरे॥आगिवाहनीरे॥ ॥मूलभद्र
अष्टौरुमम॥~~अष्टौरुमम~~॥आन१०८जयनय॥
धृयवासजयनयमाला॥ ॥यमुनय॥वृक

नक्षत्र ॥ वलि विसर्जन ॥ ॥ अक्षतः दारुणः
अयनया उविको काय दवस्क विहिवम डाने क
काय ॥ वसुनय मने ड ॥ खान के नल हाव अक्ष
न दारुण ॥ धन २१ यदयं गिन न गय न गन
य्यावयाय ॥ नाटिका धा २१ ददयस धा २१ ॥

ध्रुव धर्म माल ॥ खान के धून हा डालि काय मरु ॥
नैख अयन याव धन २१ गान के ॥ मरु ॥ अ
~~न के २ खान ॥~~ ॥ ध्रुव राग ॥ गाना १ खना
गाना १ उउनि ॥ गाना १ सिद्धा १ ॥ गाना १ कयूने ॥
गाना १ मलि खान ॥ महा मास ॥ धन सम राग ॥

मनिधनवाननाशिसूजायाय॥वाक्ष॥जजमा
नस्यजूमकेनातकेस्यरुलवरुलवीज्रावनीक
यनशायसिद्धिनिमित्तं॥३॥नृस्यधनयथायचा
नधवाञ्जरी॥

अथ मथ कर्तव्य ॥ द्वादश लक्षण ॥ अथ कर्तव्य ॥ द्वादश लक्षण ॥
 जय नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ताराय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ताराय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥

गाला ॥ भानिका ॥ गाना ॥ उउल ॥ गाना ॥ कावाउ
ल ॥ गाना ॥ कयून ॥ गाला ॥ धूयाइ गलला ॥ गाला
१ कर्कतया नूक ॥ महा मसि ॥ धन राग ॥ जय
नय भान ॥ ०७ ॥ धन कृतय काने ॥ ॥ वगागन
उउगा ॥ दयया काय हित्याक ॥ अकृतय ॥ नयका

यलका ॥ न क ॥ साधल ॥ धन राग ॥ खान क धू
यास गल ॥ ॥ खान क भान राव साक धूय ॥ वाल
उल नी ॥ ककुनी ॥ धी ख धु ॥ भान धूय ॥ ॥
अधयका नान ॥ अकृत २१ कारुत २१ मनु ॥ धा २१
जय नय ॥ कुं न ३ आने क ३ रुद ३ खाहा ॥ कीयन ॥

लेखजययमीनकामनकु॥ हूं २१ मीनक॥ ॥

अथयकानाकन॥ अथकन २१ दारुत २१ ॥ मनु॥

ॐ बां बां वूं मूं हूं ३ रुट ३ द हि २ खाहा ॥ वा

न २१ ॥ ॥ दिनकमनु ॥ नेवद २ क्रीवा

वादिनीसी रुट ३ खाहा ॥ वा न २१ लेखजयनय

अथनवल नयज॥

मानक॥ * ॥ ॐ हूं नृमान नयमहा रेनवाजा वा न

नकि गृहीताय अवन २४ नमखाहा ॥ ॐ हूं व वीन व

यमहा रेन वाय यम नकि नहिताय अवन २४ ॥ ॐ

ॐ हूं क्रीवा रुट ३ यमहा रेनवाय वला हूं नकि गृहीता

य अवन २४ ॥ ॐ हूं हं हा सव यमहा रेनवाय

उच्यते किं न हि ता य अ व त न २ ॥ ॐ हूं हूं हूं हूं
न क नू य म हा र ह ल य ह न न कि न हि ता य अ व त
न २ ॥ ॐ हूं व वी र स नू य म हा र ह ल वा य वे ला ह न
कि न हि ता य अ व त न २ ॥ ॐ हूं न नो ड नू य म हा र
ह वा य अ न न कि न हि ता य अ व त न २ ॥ ॐ हूं
क क नू य म हा र ह ल वा य अ व न थ न कि न

हि ता य अ व त न २ ॥ ॐ हूं लं लं न क नू य म हा र ह ल वा
य नि स न न कि न हि ता य अ व त न २ ॥ ॐ हूं अ उ
न नू य म हा र ह ल वा य अ दि न कि न हि ता य अ व त
न २ ॥ ॐ ति न व न सा ल क य ज्ञा ॥ ॥ न न ॥ ॐ हूं
न व व वी र क नू य उ ध नि धि आ र ह ल व र ह मी ।

वाहता मोडता नीन वनत विजय नृत्यमान
देव्य नृत्यन रावत धे विविध यनिगनेका
धुवह नगा थं गमु विधे धनं विधुन
नियुहर्न मोमि नृत्य धनं भवता न धन
हानि धन मूनजी वाधक नीहानता वध शो न

मि हाहने धनि धर्मी सिहा कने ४ किन्ने ४।
नन्दि नद मदन गगा जटियुने गान न व नु म
नं गमु नृत्य सता व मधुर गमी मीया नु नृत्य
धन शार्मजी नमनी कंक नं म नमद का भी न
जंक ऊर्न धमार्न नवमं पु क धवय वा वाभव

लानके लु गगाने च दका वा रु व ॥ १ ॥ य व रु रु ति न
 चिना किनी रु व न वा आ दित य य न ॥ १ ॥ दाना ला
 कन वा द न गु व न ता नि च द मा रु ल क ॥ १ ॥ य वा
 धि क र्ति म ति व र्ष र्त्त व य ॥ १ ॥ क या ता द न वि वि
 न ॥ १ ॥ ॐ न च थार्य य म दे व ग थ न स ॥ १ ॥

॥ १ ॥

सिद्ध ॥ क न व क वी रु ॥ १ ॥

(अथ वना रु क ल अथ ॥ १ ॥ जय मा न स अ म क ना रु क नि मि रु उ य म म (ग ग स य थ म
 म स म म थ ॥ १ ॥ न स य व न स क न व न म ल य सि धि र्थ ज य न य र्त्त व न क य न य न व ज य
 क र्म नि र्त्त व य क य र्थ ग य र्म म रु ॥ १ ॥ रु म ज य म रु क नि थ ॥ ॥ ॥ अथ वना रु अथ ॥ १ ॥
 य मा न य थ मा म ना रु क नि मि रु उ य म म (ग ग स म म थ ॥ १ ॥ न स य व न स क न व न म ल
 म रु स सि धि का म न य अ थान स य व क ल न (ग स नि मा व क ल य र्थ क ज य न य र्त्त
 व क ल क य न य न म रु क नि थ ॥ ॥

जय

॥ १ ॥ जय मा न स य न र्त्त व न क न व न म रु क ल न स य न रु क थ ॥ १ ॥ न स य व न म रु क थ य न
 ॥ १ ॥

॥ अथ वृत्त (लादितीयादि ॥ अथादि ॥ अमूक (अमूक, अमूक नामदास ४ य
जमानस्य श्रीग्रीजयजययुकागमसूदवस्य स्वसे न्यत्रकायनसे न्यरुजं
नार्थ समन विजयावास्यान श्रीनाश्रीनानामनाटस्य सिद्धिकामन
या श्री ३ रुगवती दद्या ४ मल्लं य (० त एव चासू अ कोमरी हनू से न व
एतन्मल्लं अयूतजय महं कविथं ॥ ॥

(वाक्य ॥ यजमानस्य श्रीग्रीजयजययुकागमसूदवस्य स्वसे न्यत्रकायनसे
न्यरुजं नार्थ समन विजयावास्यान श्रीनाश्रीनानामनाटस्य सिद्धिकामन

श्री ३ रुगवती चासू अ कोमरी हनू से न व
मल्लं अयूतजय निमिलं श्री ३ नृस्य ग्वन
महासे न वर्यं या यवानपूजा निमिलं (थन ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२५७३

१ जयमानस्य माधवान्नचविशुनामनातकस्य कनूभावेभविमिस्थर्थशीर
नृस्यभवनमहासेनवायज्यस्यैरायनयवाच्चैप्रयूजानिमिस्थार्थेन॥

[illegible]

यकनः। वून न पि यू न दू न ध्या न् नर्वे य कृ ति
वर्ज त्या ३॥ ॥

॥ अथ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥
कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥

॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥
कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥
कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥
कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥ कर्मफलम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापनाशके ॥
सर्वकल्याणकरे सर्वसुखदायके ॥
सर्वविघ्नहर्त्रे सर्वशत्रुनाशके ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापनाशके ॥
सर्वकल्याणकरे सर्वसुखदायके ॥
सर्वविघ्नहर्त्रे सर्वशत्रुनाशके ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

4201E

॥ कृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय
नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

८५॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥
 ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥
 २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥
 ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥
 ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥
 ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥
 ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥
 ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥
 ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥
 ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

त्रयकनूयसिद्धि॥मालकमालनावक॥ज
 यादि॥यूयराजन॥वाक्य॥ऊऊमानस्यज
 मूकनाटकस्यकनूयवमनिमित्तस्यादि॥
 गा॥उकान॥मालकादवस्तुगत॥जूकन
 दारुल॥०८८दवस्तुदस्तुत॥वीलयाउलि
 जूकादारुल॥०८८दवस्तुलिवनत॥विना

[illegible]

प्रायः पादसङ्कोचः

१ मायानिश्चयः ॥ ३ ॥

रुट् ॥ ऊँडो की कनिष्ठा काय २ ॥ ऊँडो की अनामिका
कार्ये साहा ॥ ऊँडो कुम्भ माये वीषट् ॥ ऊँडो के
तर्जनीय दूँ ॥ ऊँडो की अगुष्ट का स्थानम ॥ ऊँ
डो के अङ्गुलीय रुट् ॥ ऊँडो की द्वितीयाय २ ॥ ऊँडो
की निनस साहा ॥ ऊँडो के मिखाय वीषट् ॥ ऊँ

डो के कवचाय दूँ ॥ ऊँडो को नखयाय २ ॥
ऊँडो के अङ्गुलीय रुट् ॥ ॥ नवनसयामकु
वय जायाय ॥ कनू नयान ॥ निन्दि ॥ मलका
ल ॥ कनू वया मालकाय जायाय ॥ दवेसु के
विधिथ ॥ कनू वया नसाय ॥ ऊनू वयाक

न करूँ यो या ॥ दव शाचकं भाय दनकं ॥ स्त्र
 क्रिका सहाय्य ॥ धनति करूँ यो या ॥ नावाय
 कं ॥ लसाय ॥ वलि ॥ मिमं लानय ॥ वाक् ॥ सुष्यया ॥
 वलिदानय ॥ दिय लाह ॥ उका न यत स वन यूय ॥
 वानति ॥ यमिष्ठा ॥ दवमा निक गत दव शाचकं त
 य ॥ भन दूय कद न या ॥ दित न नावे य ॥ या स

करूँ यो या ॥ दव शाचकं भाय दनकं ॥ स्त्र
 क्रिका सहाय्य ॥ धनति करूँ यो या ॥ नावाय
 कं ॥ लसाय ॥ वलि ॥ मिमं लानय ॥ वाक् ॥ सुष्यया ॥
 वलिदानय ॥ दिय लाह ॥ उका न यत स वन यूय ॥
 वानति ॥ यमिष्ठा ॥ दवमा निक गत दव शाचकं त
 य ॥ भन दूय कद न या ॥ दित न नावे य ॥ या स
 करूँ यो या ॥ दव शाचकं भाय दनकं ॥ स्त्र
 क्रिका सहाय्य ॥ धनति करूँ यो या ॥ नावाय
 कं ॥ लसाय ॥ वलि ॥ मिमं लानय ॥ वाक् ॥ सुष्यया ॥
 वलिदानय ॥ दिय लाह ॥ उका न यत स वन यूय ॥
 वानति ॥ यमिष्ठा ॥ दवमा निक गत दव शाचकं त
 य ॥ भन दूय कद न या ॥ दित न नावे य ॥ या स

नूर यसी न्ना इव कनू धा लम ग किं ग ही ता य
ॐ ॐ यं ३ हूं ३ स्वाहा ॥ ॥ ॐ हूं ॐ ॐ
कनू ल व य म हा रु न वा य झू ॐ
न धी का स हि ता य नू व न न र आ ग वू २ स्वाहा ॥
ॐ ३ की ३ हूं ३ ॐ न न व का इ वा य हूं ३ की ३

ॐ ३ न म ४ ॥ ॥ ॐ यं ३ य मा य द हू रु मा य स व
स मा य हूं ३ यं ३ न म ४ ॥ ॐ यं ३ य क नू ल व य
न ल य ध ना य म्मा क नू धा ॐ ॐ ल म ग किं ग ही ता
य न म ४ ॥ ॐ ॐ हूं ॐ स्वाहा ॥ ॥ ॐ हूं
ॐ क नू ल व य ॐ य न ल य ध न आ ग वू २ ॐ

ह्रीं वाहा ॥ ॥ मून कनू द ॥ ॥ वलि ॥ वतु द ॥ वलि
आ वा द ॥ मूडा ॥ ॥ वनू ॥ आ नि ॥ उ म नू ॥ वि ॥ न ॥
स द ॥ ॥ नृ त्य मू डी द र्श यत् ॥ ॥ क्षय ॥ दाय ॥ न व द
जय ॥ ॥ वि द व ॥ आ नि ॥ न न्दि ॥ म हा का ने ॥ मू न ॥ क
नू व मूल ॥ ॥ ॥ ॥ वा द ॥ क म लु ति ॥ पि त य ग ॥

य का न क ॥ ॥ क नू व य ण स ति का स न रू वा य ॥
॥ ॥ क नू व य ण नो वा य क ॥ ॥ या स या त य क न
न या य या नू न स ॥ ॥ क नू व य ण न व द्वा र्श न या
उ ति द र्श ॥ ॥ नू द न दारु ल का र्श ॥ ॥ मू ल म नू
नू मारु न शि व द य य र्श न गी ज य य र्श न ॥ ॥
ध र्श ना टिका र्श ॥ ॥ ध र्श द द य र्श ॥ ॥ ॥

वा निन स न य ॥ धा र्मिक मान द को र्मि मा ल ॥
मा न उज्ज न्ना दिन न य ॥ वृ क्त य उ मा ल
मा ल ॥ वि ॥ व द्त ॥ उ न्ना य त र्द ल क्ता य ॥
ध न लि ॥ द व या नू य ॥ वि ल ल सा अ ॥ नि
म क्ता ना दि ॥ वि लि ॥ म न र ॥ मा ल वा ॥ ख न्द दि

मा दि ॥ ज्ञान दि वि वि थ या या मा ल ॥ ना
या य क ॥ या सा दि ॥ च उ र्द कान ॥ अ र्क य
जा ॥ अ र्क ग दारु ल क्ता य ॥ अ वा य व ध क्ता
हं वा न म नू व ता उ द या य ॥ नि न ना ति का
द द र ॥ अ र्क नि र म ॥ ध र्म मा ल ॥ स र्क र ॥ अ न न
ति ॥ पु मि ॥ वि न न र्क ॥ मा न दि मा न